गहरी चाल

नागराज

सुपर कमाण्डो
ध्रुव

फाइटर टोड्स

SUSHANT PANDA
RASHEED

नागराज के महानगर, सुपर कमाण्डो ध्रुव के राजनगर और धनंजय की स्वर्ण नगरी तक बुनी गई एक...

गहरी चाल

संजय गुप्ता की पेशकश

परिकल्पना	कथा	पटकथा	पेंसिलिंग	इंकिंग
मंदार गंगेले	अनुराग सिंह	सुशांत पंडा	सुशांत पंडा	सुशांत, मंदार, बसंत पंडा

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

कवर आर्ट	टाइपोग्राफी	इफैक्ट्स	सह संपादक	संपादक
सुशांत, मंदार, रशीद	हरीश शर्मा	शादाब सिद्दीकी	मंदार गंगेले	मनीष गुप्ता

जब अपराध की काली छाया का असर इसांनी समाज की हदो को तोड़कर समुद्र में स्थित स्वर्णनगरी तक पहुंचने लगा तो वहां के रक्षक चिंतित हो उठे। अब उन्हे जरुरत थी ऐसे प्राणियो की जो धरती पर स्वर्णनगरी के प्रतिनिधि बन के रह सकें और अपराध की बाढ़ को थाम सकें ताकि स्वर्णनगरी वासी शांति से रह सकें। लेकिन समस्या ये थी की उनके नियम मानवो के साथ घुलने मिलने या साथ रहने की इजाजत नहीं देते थे। तब स्वर्णनगरी की एक वैज्ञानिक ने इसका हल निकाला। उसने चार छोटे-छोटे टोड्स पकड़े। उनको विकिरण के द्वारा आदमकद मेढक के रूप में विकसित किया और उनके दिमाग में मानवो से सम्बंधित सारा ज्ञान, युद्ध के दाव पेंच डाले। अब ये साधारण मेढक नहीं रहे बल्कि बन चुके थे भोले भाले मगर गजब के जांबाज फाईटर टोड्स शूटर, कटर, मास्टर और कंप्युटर।
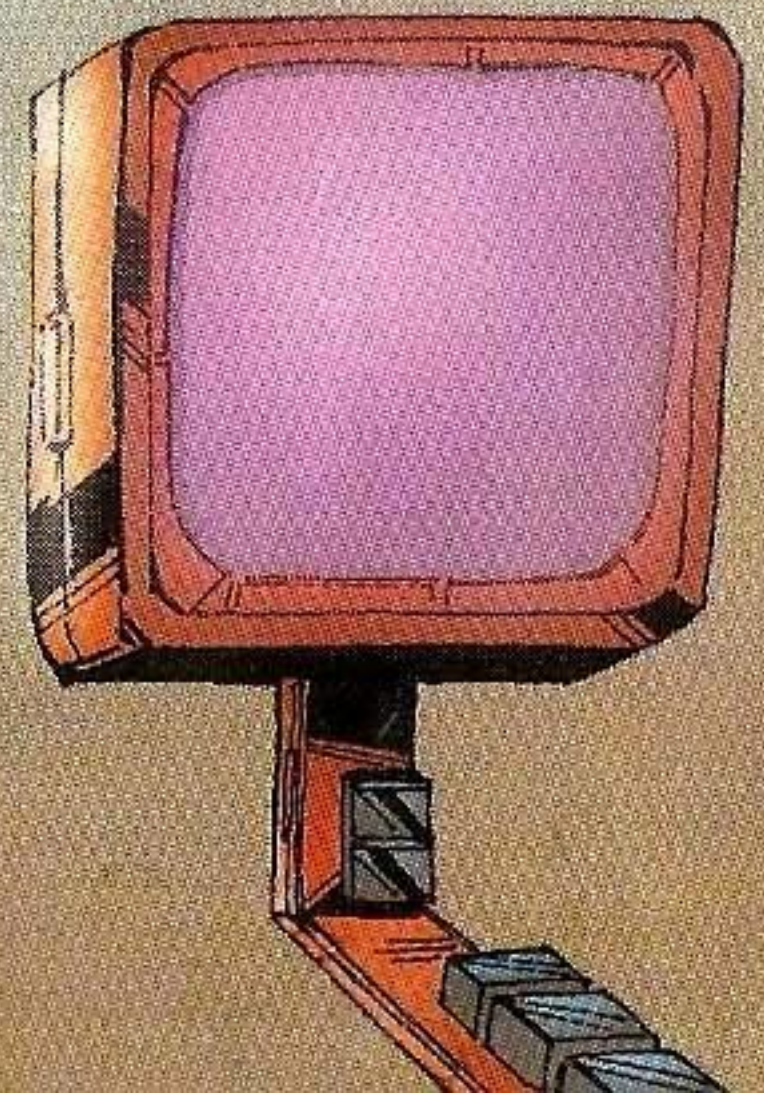
फाईटर टोड्स के निर्माण के बाद उनके दिमाग से ये बात मिटा दी गई की वो स्वर्णनगरी के प्रतिनिधि हैं और उनको धरती पर भेज दिया गया उन चारों के दिमाग में ये बात भर दी गई थी की उनको ग्रीन मांबा को ढूढ़ना है जिसकी वजह से स्वर्णनगरी पर मुसीबत आई थी। समय की कमी के कारण टोड्स में सारा ज्ञान नहीं भरा गया था। इसलिए बचकानी हरकतों के साथ उनकी तलाश शुरु होती है। अनजाने में वो अपराध के दुश्मन नागराज और ध्रुव से लड़ पडते हैं लेकिन कुछ अनहोनी होने से पहले धनंजय आकर नागराज और ध्रुव को सारी स्थिति समझा देता है और इस तरह से नागराज और ध्रुव बन जाते हैं फाईटर टोड्स के संरक्षक और मार्गदर्शक। इस प्रकार ये तीनो मिलकर ग्रीनमांबा के अपराध समाज्य को खत्म करते हैं। ग्रीनमांबा को धनंजय बदीं बनाकर स्वर्णनगरी ले जाता है। फाईटर टोड्स राजापुर को अपना कार्यक्षेत्र बना लेते हैं। वो राजापुर के गटर में अपना निवास स्थान बना लेते हैं और इस तरह शुरु होता है फाईटर टोड्स का अपराध के उन्मुलन का हसंता गुदगुदाता रोमांचक सफर।

आऽऽऽऊऽऽऽ
आऽऽऽऊऽऽऽऽऽ
ऽऽऽऊ
ओह!
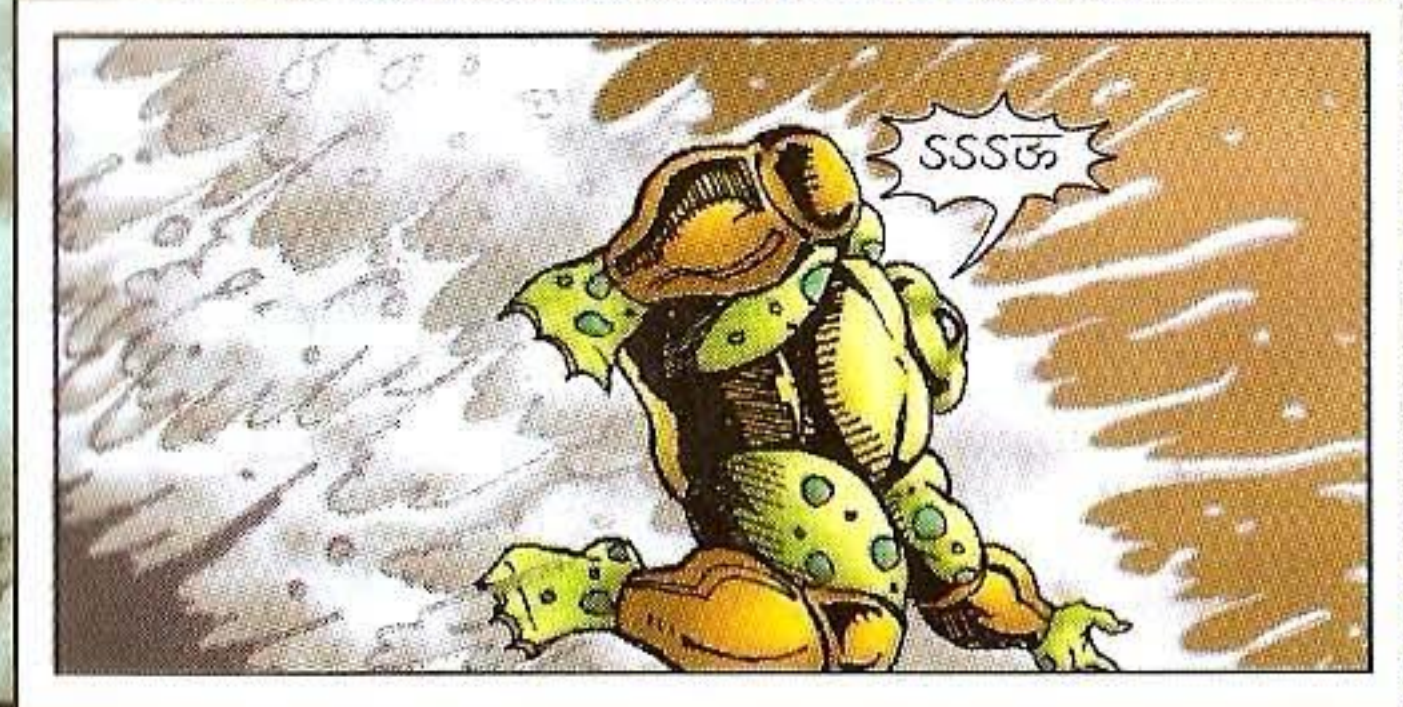
गटर पर मेरा राज है।
गटर के हर प्राणी को मार डालूंगा मैं। चाहे वो बड़ा हो, छोटा हो या मोटा हो।
हैSSS!
SSSSS
धाड़.
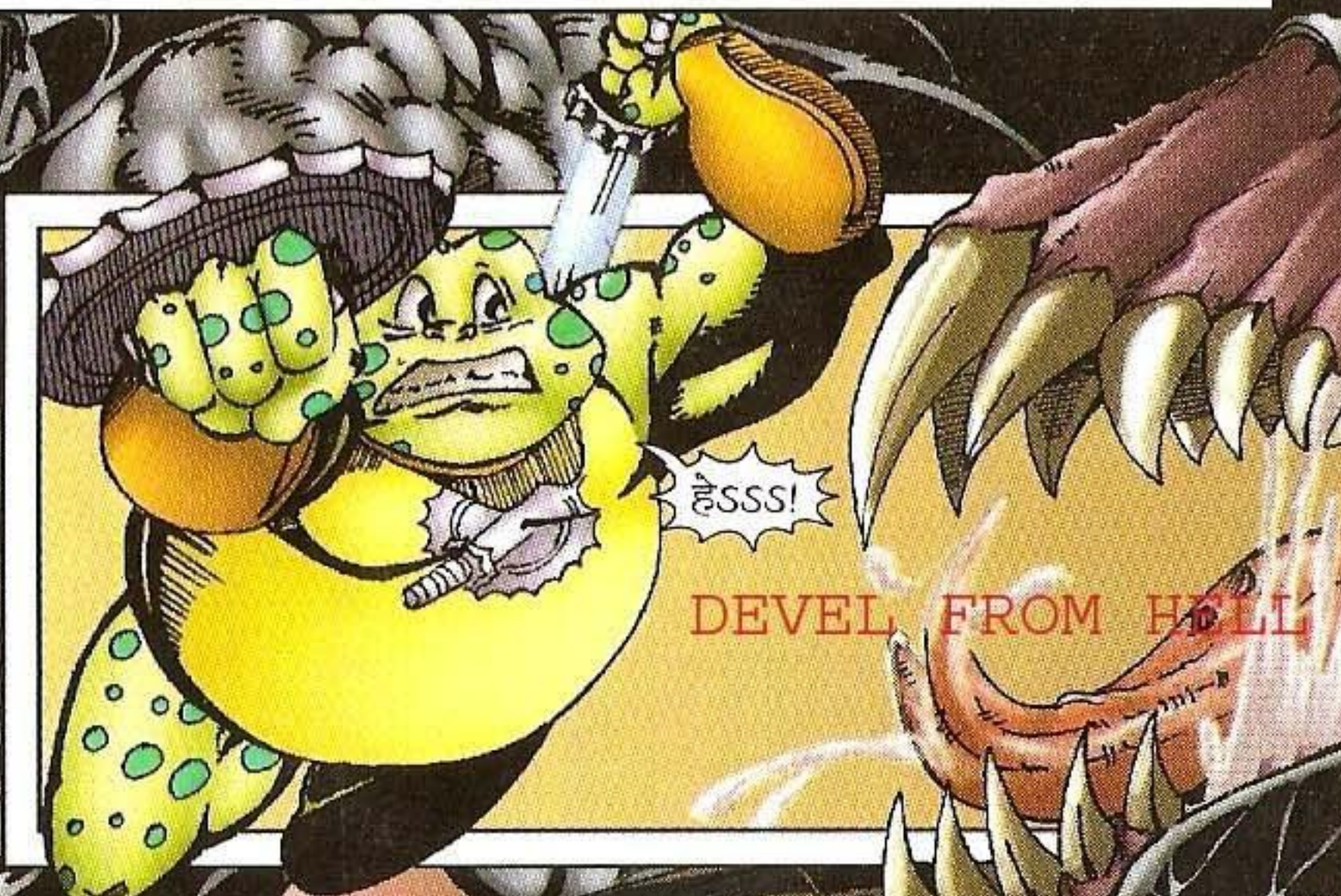
अपने बड़े शरीर पर इतना मत इतरा मोटे कद्दू! ऊंचे कद के कद्दू!
मास्टर्र का कद तुझसे भी बड़ा हो सकता है।
थड़!!!
घूंसे मार-मार कर तुम्हारा कद इतना घटा दूंगा ...।
छप
छपाक
छप
इतना घटा दूंगा कि...
...कि कुंए का मेंढक भी तुझसे बड़ा लगे!

तुम सबके शरीर से अनावश्यक हवा निकाल दूंगा मैं।
मेंढक होकर इंसानो का कद लिए घूमते हो।
शूटर! कटर!
अरे! यह तीनों इतने छोटे कैसे हो गए! इन छोटे-छोटे मेंढकों के जितने।
हर्रर्रर्र SSSS
तू भी इतना छोटा हो जाएगा जब पड़ेगा तुझे मेरा ये घूंसा...
भूत पिशाच निकट नहीं आवे टोड देव जब आरती गावे: बहूहूहूSS किट् किट् किट् किट्!
इतना बड़ा....
इतना बड़ा....
इतना बड़ा....
TOPICHAND THE DETECTIVE
KIDS KIDNAPING
OBAMAS
TWENTY 20 WORLD CUP
MINISTER

इतना बड़ा... इतना बड़ा और भी बड़ा!
छपाक
ओहऽऽऽ
क्या बे? तब से 'बड़ा-बड़ा' क्यों बड़-बड़ा रहा है?
अरे! तुम लोग अपने असली आकार में आ गए और वो भयानक दानव कहां गया?
कौन सा भयानक दानव बे...
समझ गया मैं।
मैं तो पहले ही कहता था कि इसको रोने-धोने वाली फिल्मों के अलावा कोई अच्छी फिल्म हजम नहीं होती।
DEVEL FROM HELL
जब से इसने स्पाइडर मैन-3 के 'वेनम' को देखा है तब से सपने में वो ही नजर आता होगा इसको...!
हां! इसका मतलब कि स्पेशल इफैक्ट वाली ये पूरी फिल्मी घटना मैंने सपने में देखी है।

ये तो सपना ही था। लेकिन एक बात सोचने वाली है दोस्तों!
वो क्या भाई?
हम लोग इस तरह क्यों हैं? हम बाकी मेंढकों की तरह छोटे क्यों नहीं हैं या फिर बाकी मेंढक हमारी तरह बड़े क्यों नहीं हैं?
ये तो तू ही सोचकर बता सकता है कम्प्यूटर!
हां! क्योंकि सबसे अधिक समझदार तो तू ही है।
भले ही अधिक समझदारी मैं झाड़ता हूं।
सपने की बात भूल जा कम्प्यूटर! मास्टर और शूटर मक्खी खाने बाहर निकल गए हैं। तुझे तेरे सपने वाली फिल्म को दोबारा देखने की इच्छा न हो तो तू भी ऊपर चल सकता है।
यह तीनों भले ही इस बात को मजाक में ले रहे हैं। पर मुझे किसी गड़बड़ी का आभास हो रहा है।
कम्प्यूटर को किसी गड़बड़ी का आभास हो रहा था और उसका आभास कतई गलत नहीं था!

स्वर्ण नगरी जिसका कि बंदीगृह भी अति विकसित है।

कई बरसों से...
महामानव...
विभत्सू
चंडकाल
जैसी महाशक्तियों का यहां कैद होना इस बंदीगृह की अति विकसित प्रणाली की विश्वसनीयता को स्वयं ही साबित करता था।
और ऐसे ही एक अभेद शक्तिशाली बंदीगृह कक्ष में कैद ...था...
एक जहरीला इसांन।
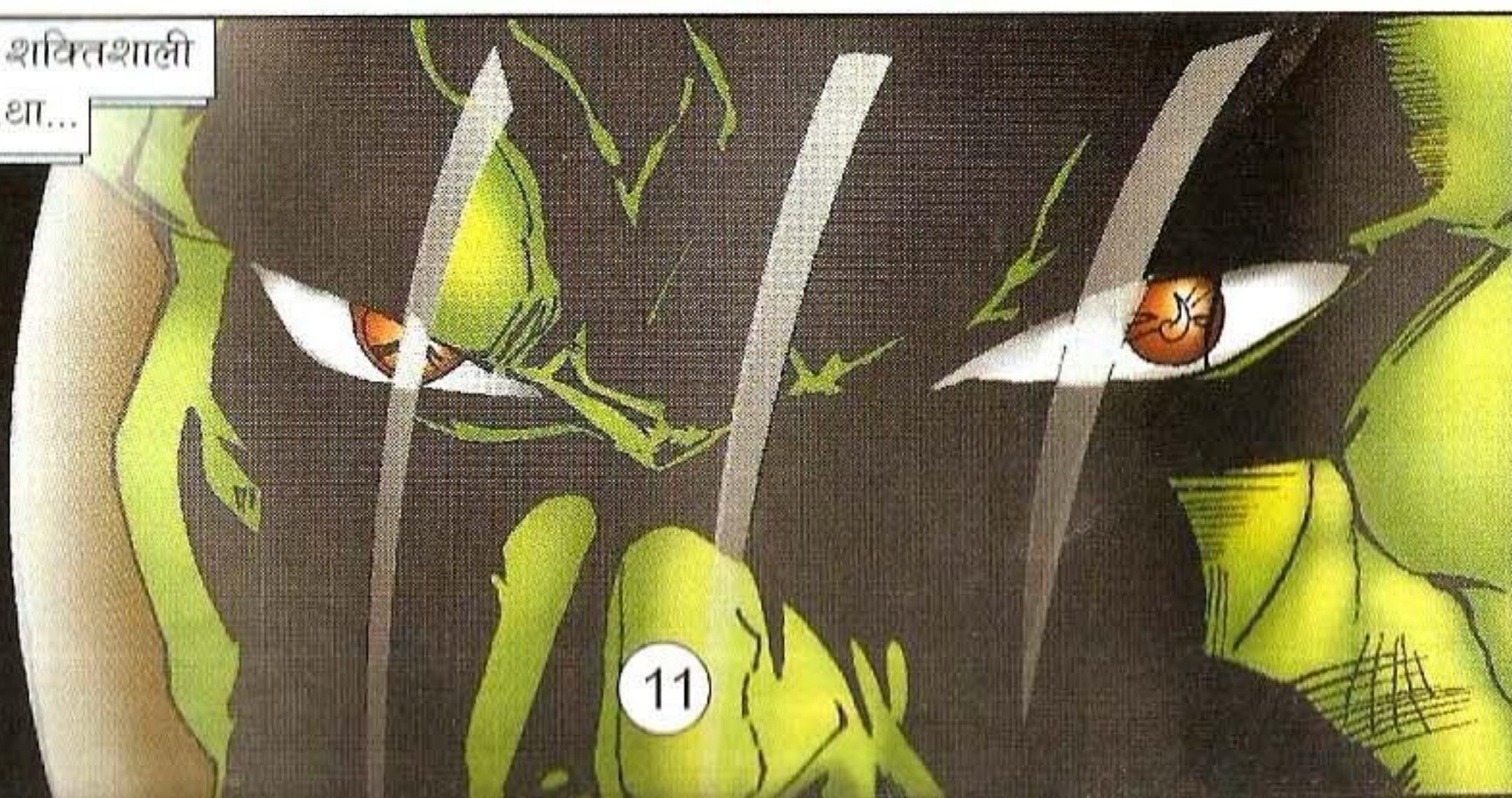
जिसकी रगों में दौड़ता था दुनिया के सबसे जहरीले सांप मांबा का जहर।
न जाने कितने साल गुजर गए हैं इस कारागार में।
नागराज का जहर भी जिसके लिए शराब के नशे की तरह ही है।
भले ही मुझे गिनती ठीक से न आती हो।
पर पहले मैं गिनती सीखूंगा फिर गिन-गिन कर बदले लूंगा तुम दोनों से।
नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव।
पर उसके लिए मुझे बरसों की इस कैद से आजाद होना होगा...
...किसी भी कीमत पर।
DEVEL FROM HELL
चंडकाल महामानव जैसी महाशक्तियों के लिए भी जो दुष्कर था। उस काम को अंजाम देना इतना आसान न था ग्रीन मांबा के लिए।
हां। यह शख्सियत ग्रीन मांबा है।
*ग्रीन मांबा व नागराज-सुपर कमाण्डो ध्रुव के टकराव के बारे में जानने के लिए पढ़ें फाइटर टोड्स का प्रथम कॉमिक 'फाइटर टोड्स।

पर कहते हैं जहां चाह है वहां राह भी है-
ईयाऽऽऽऽऊ
भद्रक
स्वर्ण नगरी का सबसे बुजुर्ग और अड़ियल वैज्ञानिक...
भद्रक को गुस्सा आया बहुत तेज वाला गुस्सा। गुर्रर्रऽऽऽऽऽ।
आऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ
हाहाहा!
सुन रहे हैं यह चीखें? अनुमय!
हां, फिर से वृद्ध महोदय भद्रक का गुस्सा अपने कैदियों पर निकल रहा है। क्यों कुमार?
हां। आज धनंजय और प्रसेन ने कुमारी शिल्पात्री के वैज्ञानिक ज्ञान की खुलकर प्रशंसा जो कि थी। हाहाहा।
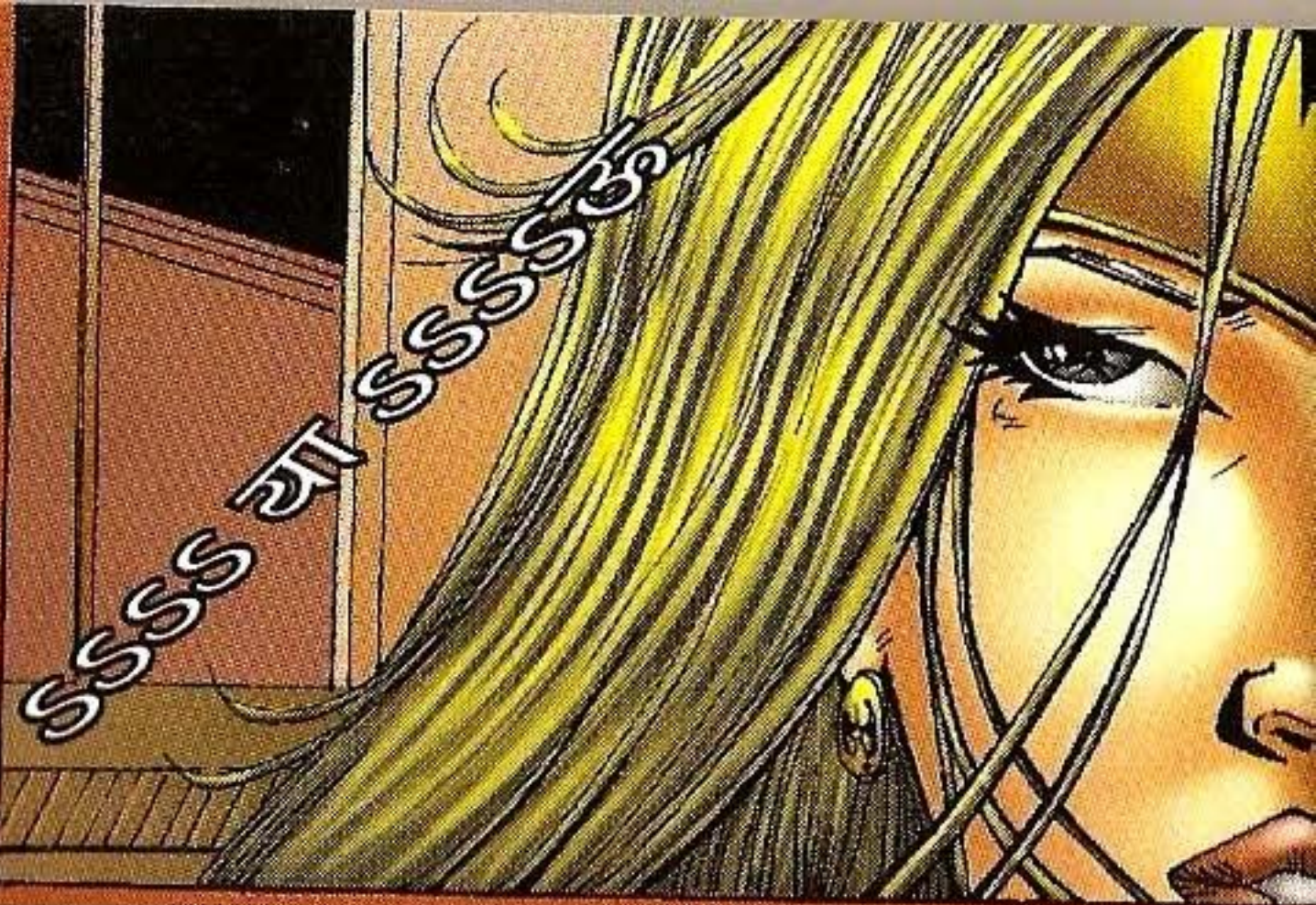
ई या SSSSS
SSSS या SSSSऊ
भारती कम्युनिकेशन-
HARATI TOWER
जहां मौजूद था आज...
सुपर कमाण्डो ध्रुव-
NO SMOKING
ADD
ओह! ध्रुव मुझे यकीन था कि अपने अत्यंत बिजी टाइम में से तुम कुछ समय निकाल कर इस एड की शूटिंग में भाग लेने जरूर आओगे।
इस तरह के जन कल्याणकारी कार्यों के लिए समय तो निकालना ही पड़ता है भारती! पर मेरे पास वक्त थोड़ा कम है।
क्या है कि आज श्वेता इंग्लैंड से छुट्टी मनाने के लिए वापस घर आ रही है।
उसे लेने के लिए मुझे एयरपोर्ट जाना है यदि मुझे थोड़ी सी भी देर हो गई तो उसके कटुवचनों के प्रहार मेरे कानों पर क्या कयामत ढाएंगे। इसका अंदाजा तो तुम लगा ही सकती हो!
हाहाहा!

फिक्र न करो, शूटिंग की सारी तैयारियां हो चुकी हैं। श्वेता की खरी-खोटी सुनने का तुम्हें कोई मौका नहीं दूंगी मैं।
CEO.
मुझे ये मौका न ही मिले तो ज्यादा बेहतर होगा।
हां! बस अब नागराज भी आ जाए तो शूटिंग शुरु कर देते हैं।
भई, ये क्या बात हुई? होम प्रोडक्शन फिल्म में घर का हीरो ही गायब है।
आखिर नागराज अभी तक क्यों नहीं आ....
आ गया।
BHARATI COMM
नागराज आ गया!
Hey Dhruva! Bharti! Sorry. पर तुम लोग तो जानते हो एक क्राइम फाइटर की लाइफ कितनी Busy होती है।
महानगर में नागराज के होते हुए अमन शांती कायम थी-

पर स्वर्ण नगरी की शांती, छिनने जा रही थी-
यह क्या? यह सब बेहोश क्यों हो रहे हैं?
धनंजय! वायु कुछ जहरीली सी महसूस हो रही है! ओह! चक्कर सा आ रहा है।
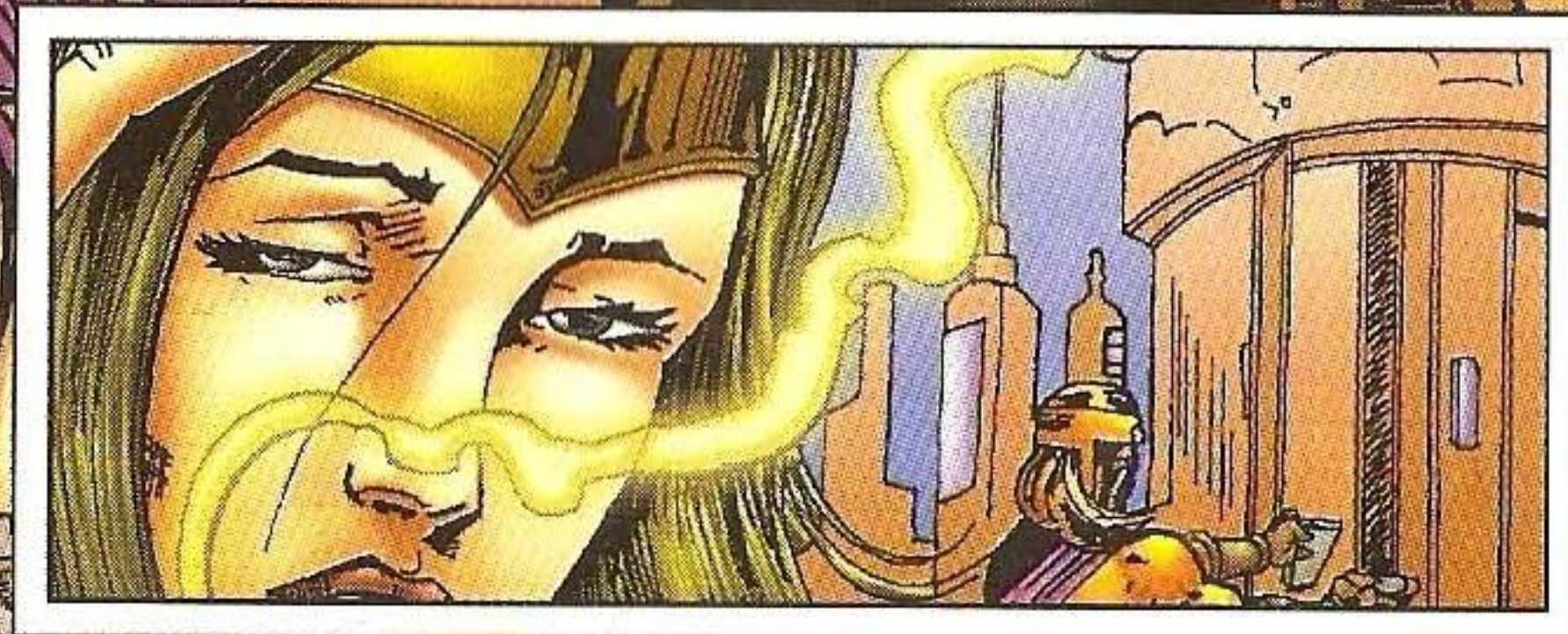
यह ऑक्सीजन मास्क लगा लो शिल्पात्री और संभालो अपने आपको।
ओह!
देखना होगा एका-एक वातावरण जहरीला कैसे हो गया! वायु संयंत्र में कुछ गड़बड़ हुई है।
या किसी ने वायु संयंत्र के साथ छेड़छाड़ की है।
धनंजय! स्वर्ण नगरी के अदृश्य किरणो के आवरण में छुपे होने के कारण किसी बाहरी शक्ति का यहां प्रवेश कर पाना असंभव है! स्वर्ण नगरी के किसी नागरिक ने वायु संयंत्र में कोई गड़बड़ी की है इसका कारण समझ से परे है!

हमें अंदर
चेक करना चाहिए!
शिल्पात्री...
धाड़

शिल्पात्री?

मांबा!...ग्रीन मांबा!
तुम आजाद कैसे हो गए?
और शिल्पात्री कहां है?

आह!
छनाक
वहां!
शिल्पात्री!

वायु संयंत्र से छेड़छाड़
और नगर वासियों की स्थिति
के जिम्मेदार निश्चित रुप से तुम ही हो
मांबा! तुम आजाद कैसे हो गए ये
अब तुम्हें दोबारा कैद करने
के बाद ही पूछूंगा।
धाड़
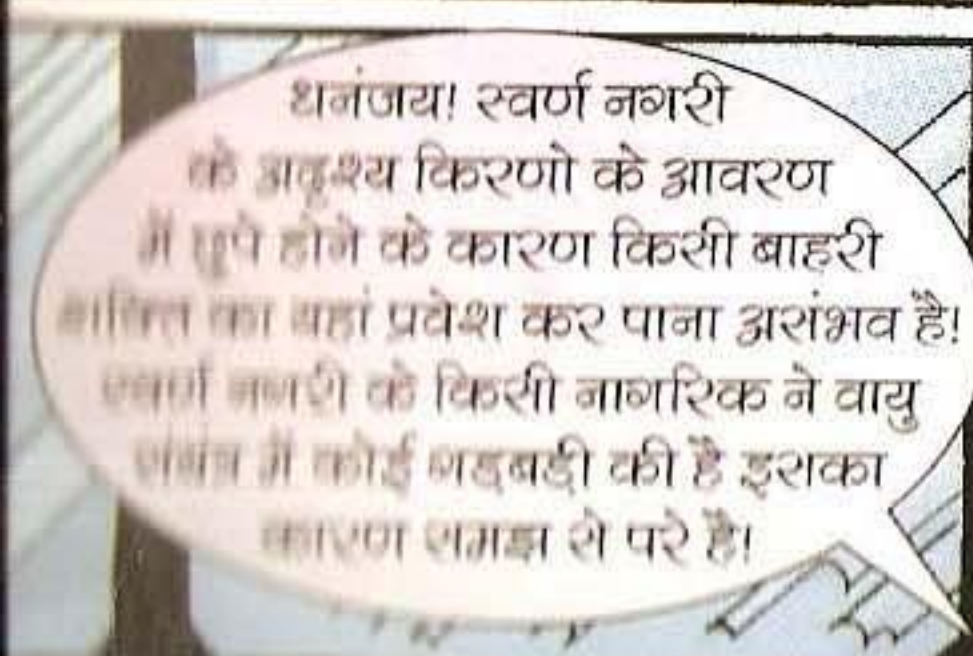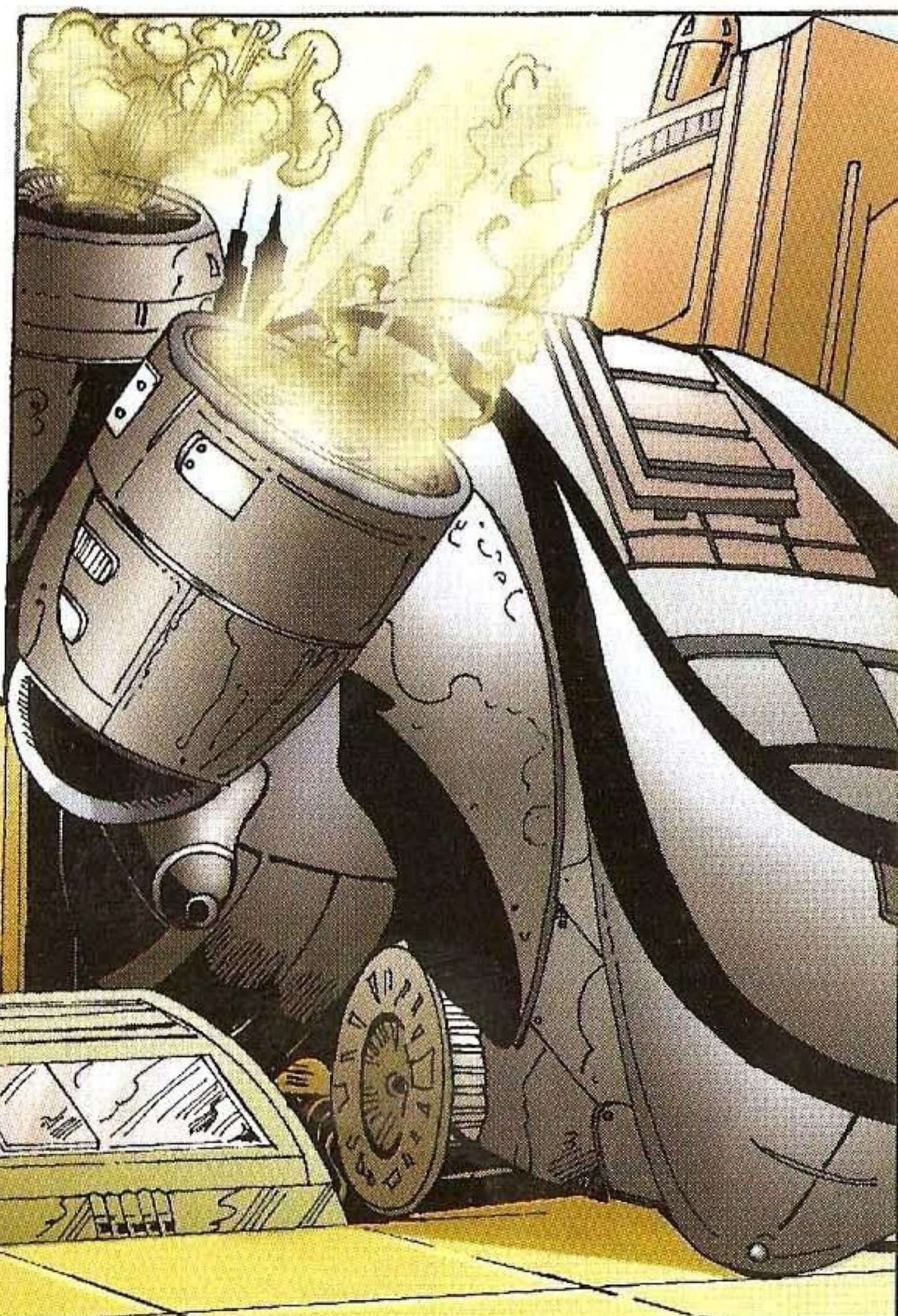
मांबा आजाद कैसे हुआ ये तुझे कैद होने से पहले जरूर पता चल जाएगा धनंजय।
अ... आप...?
भद्रक महोदय?
हां! मैं भद्रक।
जिसे कभी भी स्वर्णनगरी में उचित सम्मान नहीं मिला और जिसके वैज्ञानिक कौशल को हमेशा इस कल की कन्या शिल्पात्री की वैज्ञानिक क्षमता से कमतर आंका गया।
मैंने ही आजाद किया है मांबा को और वायु संयंत्र तक इसे पहुंचाया भी मैंने ही है।

ग्रीन मांबा ने जल में घुली ऑक्सीजन को जल से अलग करने वाले सयंत्र में अपनी जहरीली फुंकार छोड़ दी है। जिसके प्रभाव में आकर पूरे स्वर्ण नगरी वासी बेहोशी के गर्त में समा गए हैं।
बड़ाम्ऽऽऽबूड़ूम्ऽऽऽऽ
हीन भावना और क्रोध ने आपके दिमागी संतुलन को हिलाकर रख दिया है भद्रक महोदय! तभी आप इस दुष्ट के साथ मिलकर ये नीच कार्य कर रहे हैं। अब भी समय है संभल जाइए और...
बस धनंजय इसी तरह के डायलॉग मार-मार कर वर्षों से मूर्ख बनाते आ रहे हो तुम लोग भद्रक को। लेकिन अब उसके साथ ग्रीन मांबा है। इस छम्मक छल्लो को ठीक-ठाक देखना चाहता है तो वार करना छोड़ दे।
शिल्पात्री!

शाबाश मांबा! विश्व के सर्वाधिक जहरीले इंसान की विष फुंकार को नहीं झेल पाएगा धनंजय!

नहीं भद्रक...

छनाकऽऽऽऽ
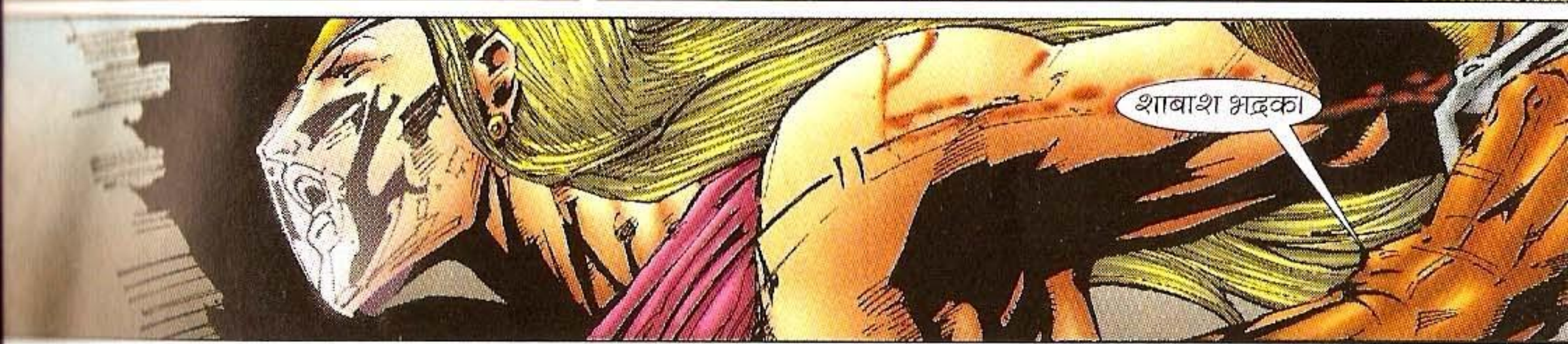
नागराज के होते हुए विश्व के सर्वाधिक जहरीले प्राणी होने की उपाधी मुझे नहीं मिल सकती!

अपने ऊर्जा वार से विपरित दिशा में प्रहार कर उन्हें यहां से हटाने में सफल तो हो गई मैं!

परंतु शीघ्र ही असफल होकर लौटेंगे दोनो!

उनके आने से पूर्व, धनंजय सहित किसी सुरक्षित स्थान पर जाना होगा मुझे!

धनंजय!

ओह...शिल्पात्री...यह स्वर्णपाश लेकर...आयामी द्वार बनाकर फरार हो जाओ यहां से...और...ध्रुव और नागराज की मदद लो।...वर्ना...तबाह हो जाएगी... स्वर्णनगरी और शायद पूरी..पृथ्वी भी।

परंतु...

समय नहीं... शि... जा... ओ...

ओऽऽ! मुझे होश संभाले रखने होंगे, अपने भी और धनंजय के भी।
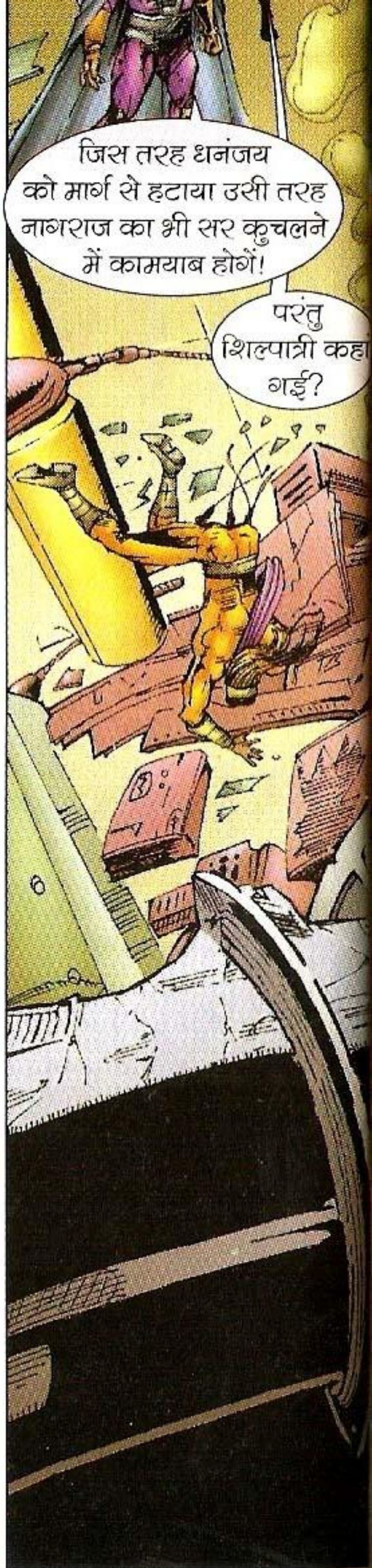
जिस तरह धनंजय को मार्ग से हटाया उसी तरह नागराज का भी सर कुचलने में कामयाब होंगें!
परंतु शिल्पात्री कहा गई?

मुझे जल्द से जल्द नागराज और ध्रुव तक पहुंचना होगा और उनकी सहायता से आजाद करवाना होगा स्वर्णनगरी को।
काश धनंजय को भी अपने साथ ला पाती! जाने क्या बर्ताव करेंगे वो धनंजय के साथ?
ओहSSS! मुझ पर बेहोशी हावी हो रही है। होश कायम...
जिन दो महानायकों की खोज में निकली थी शिल्पात्री...

वे दोनों ही पृथ्वी पर आने वाले संकट से अनभिज्ञ थे
क्या आप हीरो हैं?
या सुपर हीरो हैं?
तो सिगरेट क्यों पीते हैं?
..तो याद रखें SUPER HEROES DON'T SMOKE.
DEVEL FROM HELL
NO SMOKING
क्वीं SSSSSSSSSS
सुना तूने कटर? हम भी सुपर हीरो हैं। हमें भी सिगरेट नहीं पीनी चाहिए!
तड़
हां तो मैं कौन सा सिगरेट पीता हूं मास्टर के बच्चे?
तड़
फिल्म भी शुरु हो गई।
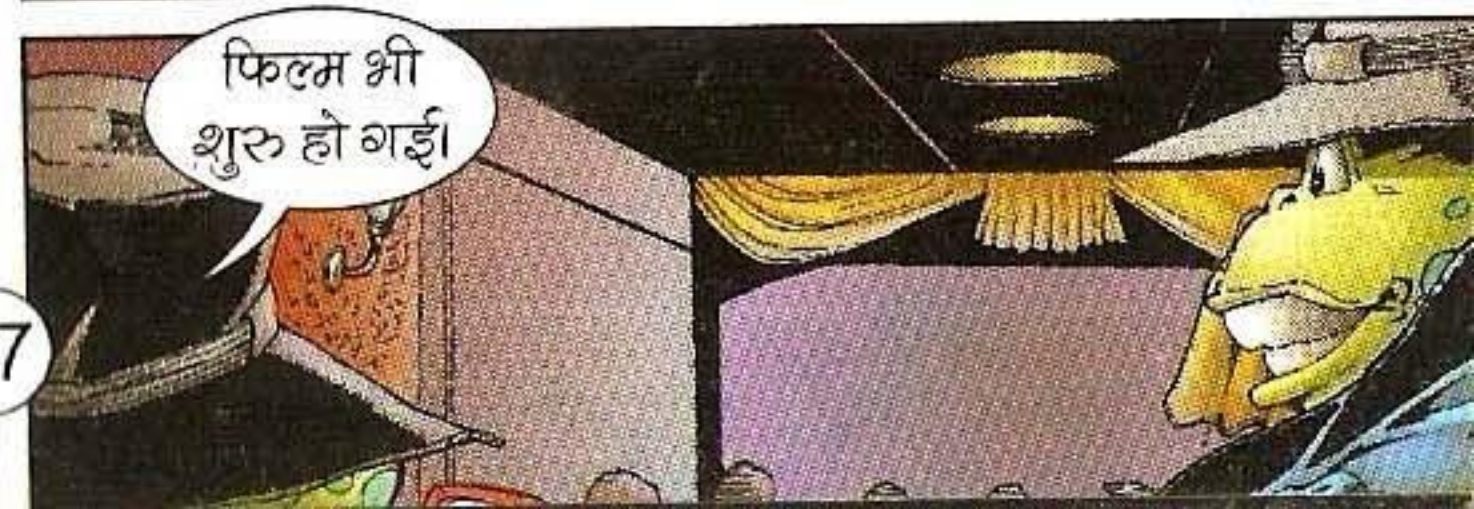
मां तो सबके पास होती है। फिर हमारे पास क्यों नहीं है?

हमारी भी तो कोई माँ होगी? सुबक!

हां! टोड देव ने हमें मां क्यों नहीं दी?

छोड़ दो!
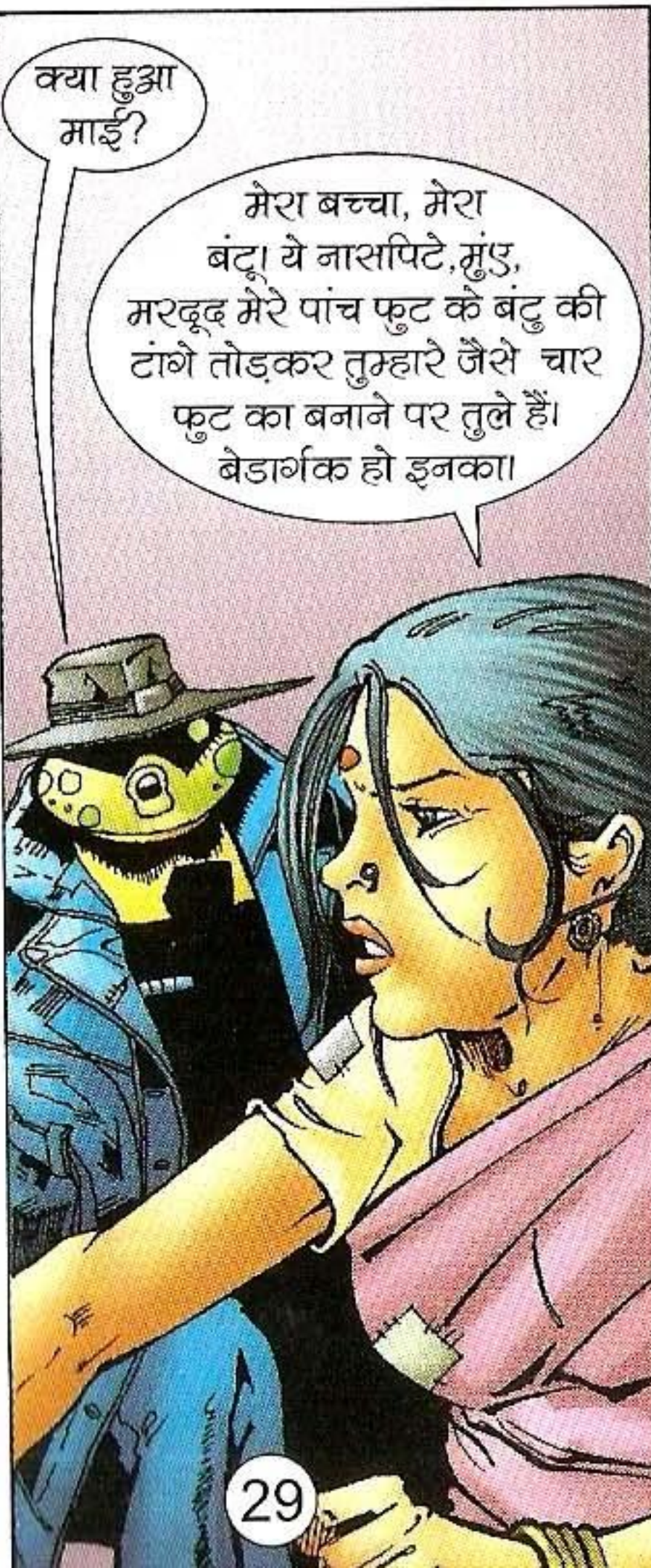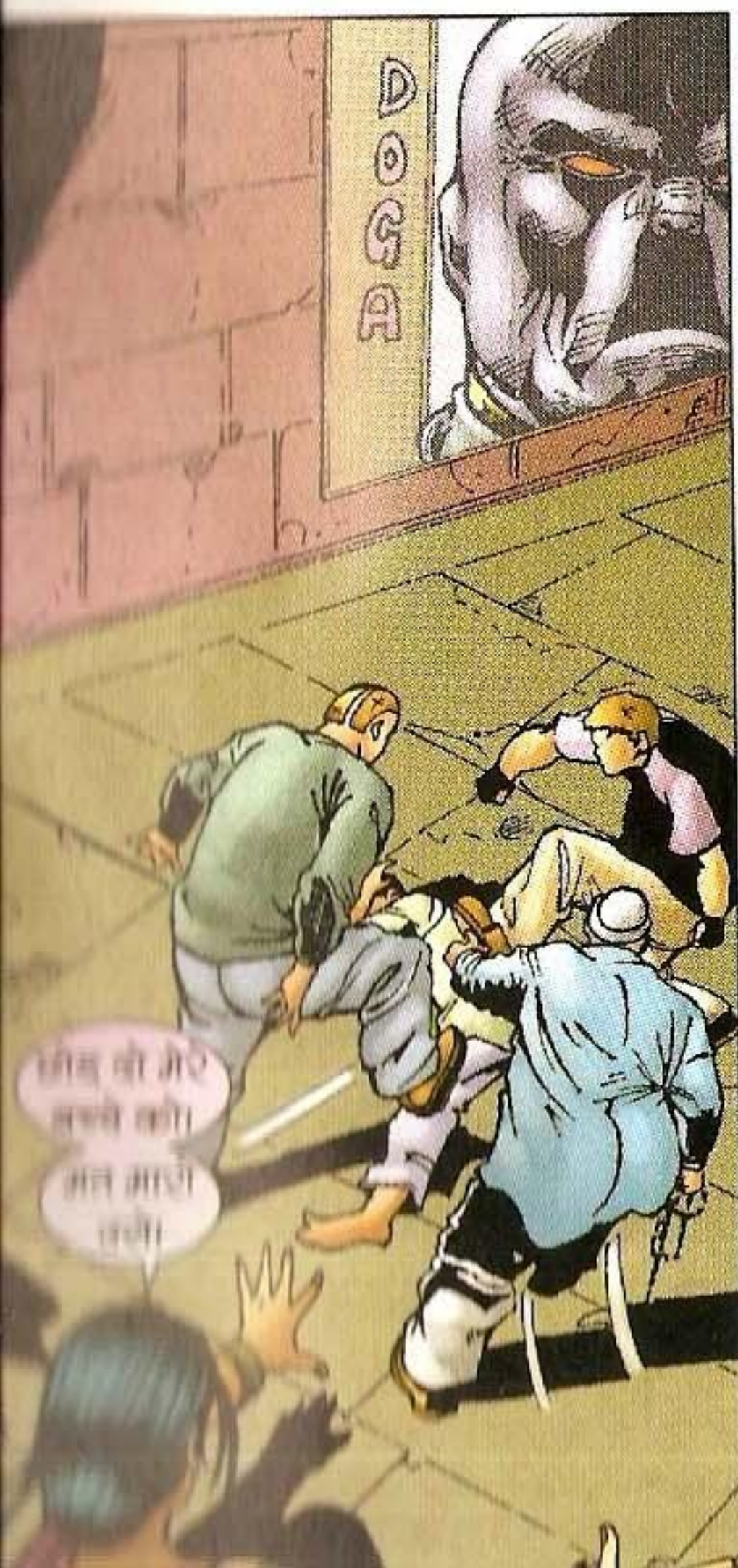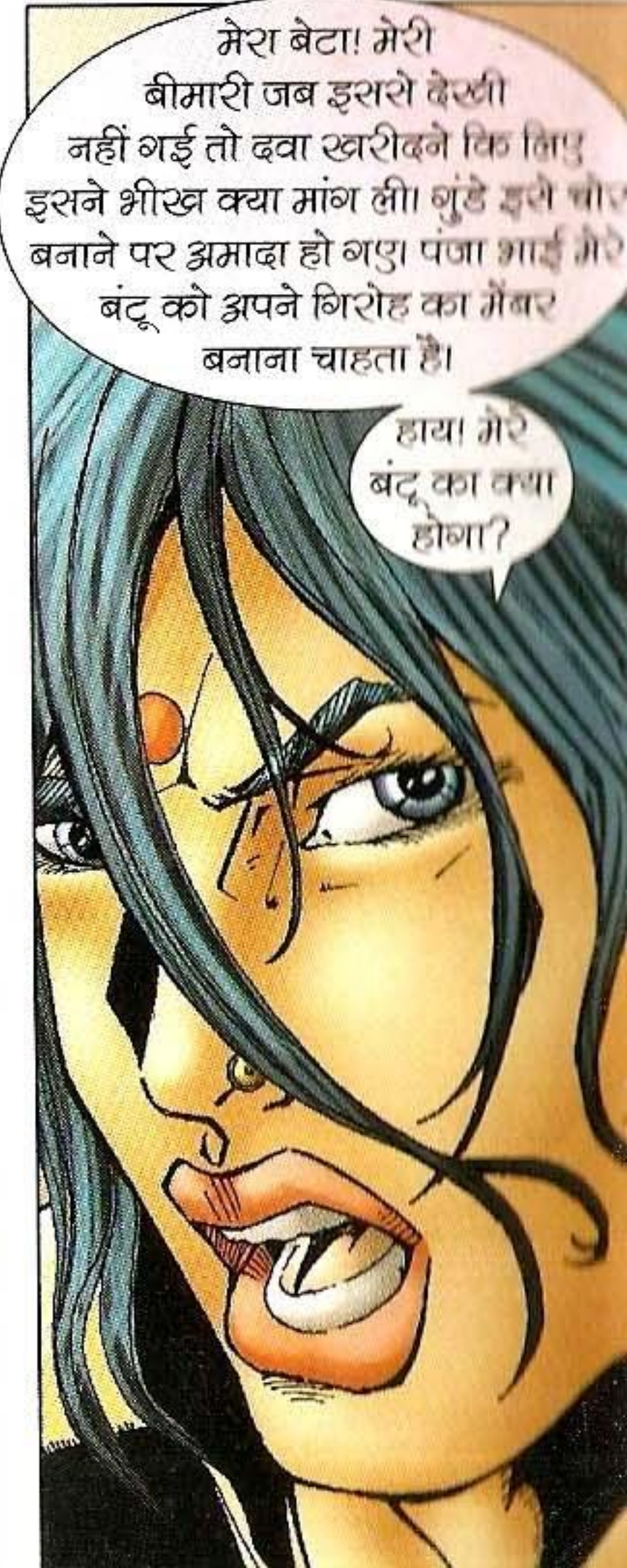
मास्टर! कहीं ये लोग इस मासूम से बच्चे के हाथ पर भी यह न गोद दें कि, 'तेरे बाप का बेटा चोर है।'
कहीं यह भी बड़ा होकर डॉन न बन जाए।
हां तो फिर इसे बचाना ही होगा।
अब तो मुझे कहना ही पड़ेगा...
टोड्स एक्शन!
टन्न
धम्म
ठाक
भाग जाओ वरना सबको गंजा कर दूंगा।
DEVEL FROM HELL
और मैं घूंसा बाण मारकर सबके मुंह सुजा दूंगा।

मेटल पंजा
किसकी इतनी हिम्मत...
ओफ्फ
जो मेटल के आदमी को हाथ लगाए!
DEVEL FROM HELL
हमने लगाया।
अब तुझे भी लगाएंगे।
पजां भाई भागो।
फिलहाल तो भाग लो। पर इन मेंढकों को मेंटल पंजा नही छोड़ेगा।
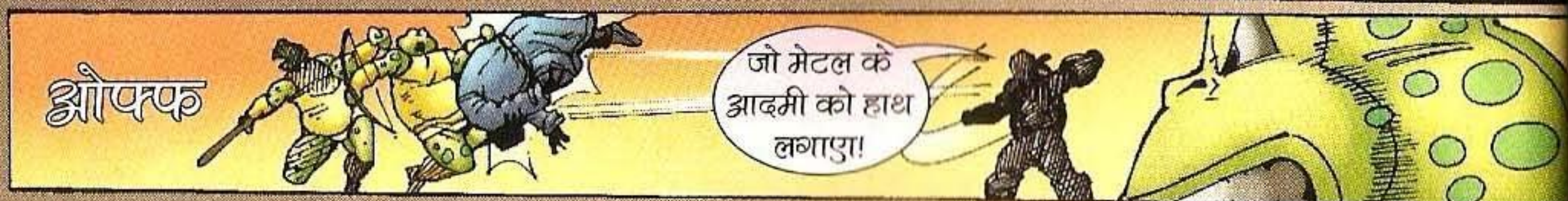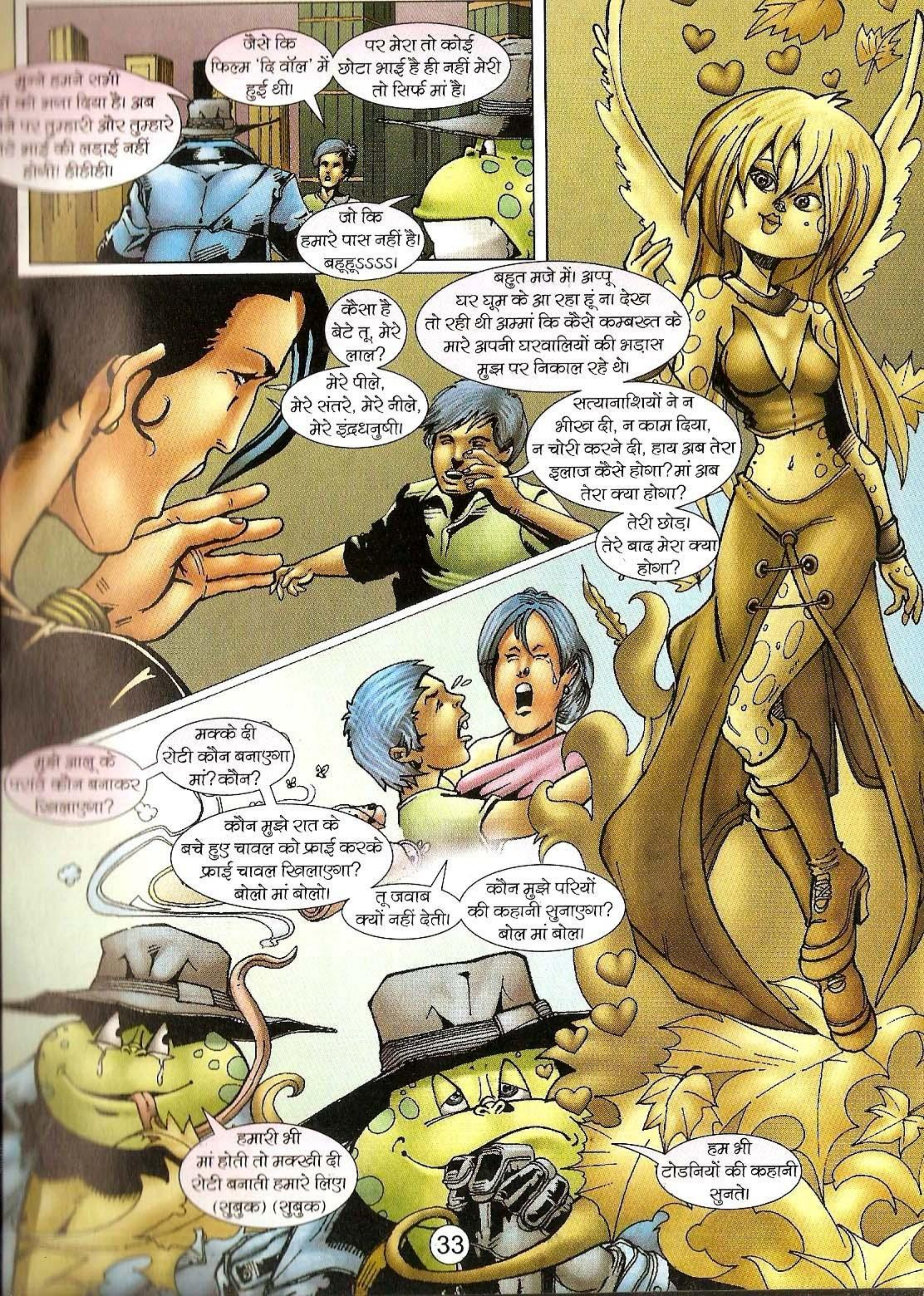
किया है। अब
तुम्हारी और तुम्हारे
भाई की लड़ाई नहीं
होगी। हीहीही।
जैसे कि फिल्म 'दि वॉल' में हुई थी।
पर मेरा तो कोई छोटा भाई है ही नहीं मेरी तो सिर्फ मां है।
जो कि हमारे पास नहीं है। बहूहूSSSS।
कैसा है बेटे तू, मेरे लाल?
मेरे पीले, मेरे संतरे, मेरे नीले, मेरे इंद्रधनुषी।
बहुत मजे में। अप्पू घर घूम के आ रहा हूं ना। देख तो रही थी अम्मां कि कैसे कम्बख्त के मारे अपनी घरवालियों की भड़ास मुझ पर निकाल रहे थे।
सत्यानाशियों ने न भीख दी, न काम दिया, न चोरी करने दी, हाय अब तेरा इलाज कैसे होगा? मां अब तेरा क्या होगा?
तेरी छोड़। तेरे बाद मेरा क्या होगा?
कौन बनाकर खिलाएगा?
मक्के दी रोटी कौन बनाएगा मां? कौन?
कौन मुझे रात के बचे हुए चावल को फ्राई करके फ्राई चावल खिलाएगा? बोलो मां बोलो।
तू जवाब क्यों नहीं देती।
कौन मुझे परियों की कहानी सुनाएगा? बोल मां बोल।
हमारी भी मां होती तो मक्खी दी रोटी बनाती हमारे लिए। (सुबुक) (सुबुक)
हम भी टोडनियों की कहानी सुनते।

बस कर मेरे लाल वर्ना मेरे आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ेगा। बूहूहूहू
बूहूहूहू! सुबुक! सुबुक।
बूहूहूहूहूऽऽऽऽऽ
मां-बेटे का प्यार देखकर टोड्स के भी आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा था। उन छहों के आंसुओं की धारा से राजापुर में बाढ़ आ जाती...
इससे पहले ही कम्प्यूटर्र खुद को संभालते हुए बोला-
ये लो मुन्ने, ये डॉक्टर तौकी जी का पता है। वहां ले जाओ अपनी अम्मां को। हमारे बारे में बता देना वो इनका मुफ्त में इलाज कर देंगी। (सुबक-सुबक)
ओहऽऽऽ!
क्या हुआ कम्प्यूटर्र? तुझे सांप क्यों सूंघ गया?
बहुत अहसान है बेटा तुम्हारा।
धन्य है तुम्हारी मां। जिसने तुम जैसे सपूतों को जन्म दिया। (सुबुक) भगवान् तुम्हारा भला करें और तुम्हारी मां का भी।
सुबुक मां! ऊवांऽऽऽ!
RAJAPU
ROAD

गजब हो गया दोस्तों हमारी तो मां है और हमें पता ही नहीं।
क्या बकता है? कहां है हमारे पास मां?

तुम बहरों ने सुना नहीं क्या? उस मुन्ने की अम्मा ने कहा धन्य है तुम्हारी मां।

अरे हां। इसका मतलब हमारी मां का नाम धन्य है।
कमाल है और हमें पता ही नहीं।

असली बात तो ये है कि हमें टोडदेव ने मां के बारे में बताया क्यों नहीं?

इसका जबाव तो टोडदेव ही दे सकते हैं और आज उन्हें जवाब देना ही होगा।
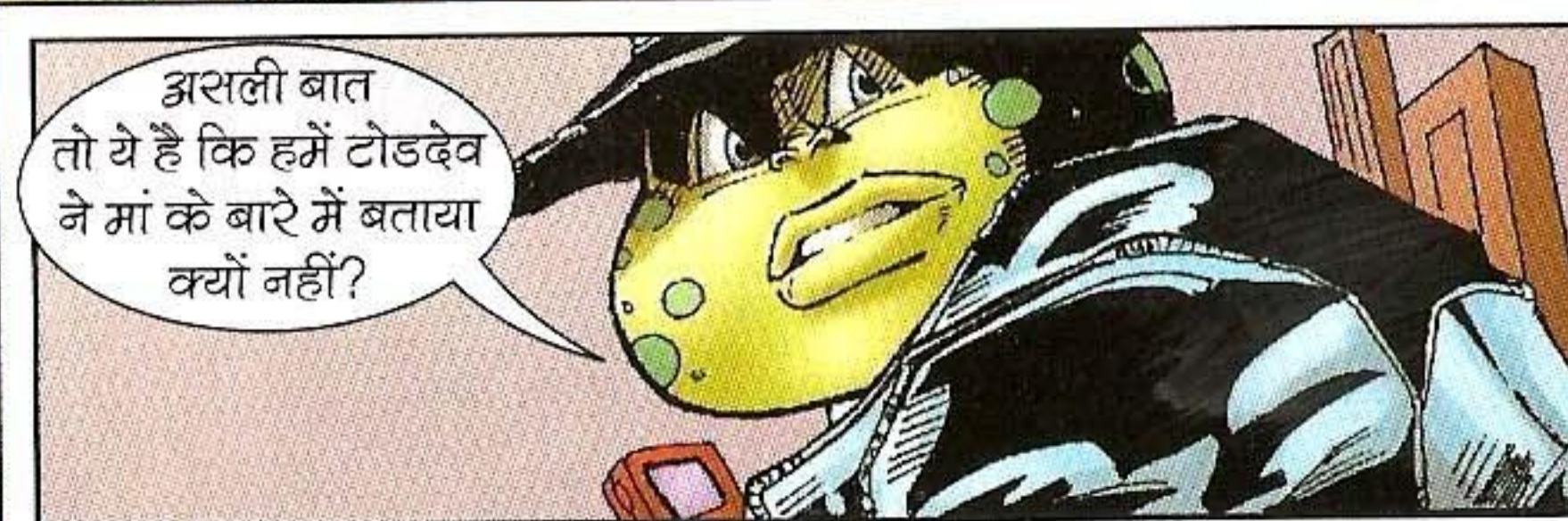
हे टोडदेव!
हमें हमारी मां चाहिए टोडदेव।
वर्ना आज से हमारी आपके साथ कुट्टी।
फिल्म देखने का एक बड़ा फायदा यह भी हुआ कि हमने भगवान को इमोशनली ब्लैकमेल करने का तरीका सीख लिया।
चारों की पुकार सुनकर ऐसा लग रहा था जैसे कि बरसात में सैंकड़ों मेंढक एक साथ टर्रा रहे हों।
हमारी पुकार सुनो टोडदेव।
टोडदेव।
टोड्स इस बात से अनजान थे

...कि टोड्स की पुकार टोड देव के कानो में फिलहाल नहीं जा सकती थी
चमचे क्या रिपोर्ट है?
आपके कहने पर राजनगर के चारों कोनों को मैंने सीरियल ब्लास्ट से हिला देने का प्लान बना लिया है।
*'चमचा' मांबा का डिप्टी कमाण्डर जो आजकल अडंरवर्ल्ड में प्रोफेसर स्पून के नाम से जाना जाता है।
गुड! गुड! धमाकों का मधुर स्वर एक बार शुरु हो तो रुकना नहीं चाहिए चमचे! वरना मांबा तुम्हारी धड़कने रोक देगा।
बूहूहूहू...आका ....आटा...
क्या आका ...आटा?
आका गरीबी में आटा गीला हो रहा है। गैंग के बंदों को देने के लिए भी हमारे पास तनख्वाह नहीं है। आपके अड्डे का एक-एक समान बेचकर मैं आपकी गैंग को चला रहा हूं।
*पढ़ें फाइटर टोड्स का पहला धमाकेदार सुपर विशेषांक 'फाइटर टोड्स'।

पहले हम नमक की जगह ड्रग बेचते थे मिलावट करके। अब हमें ड्रग में नमक की मिलावट करके बेचना पड़ रहा है। सारे अपराधी संगठनों ने हमसे सौदा करना बंद कर दिया है। बूहूहूहूssss
ऐसे में बम कहां से लाया जाए। अभी तो पिछले विस्फोट के लिए खरीद हुए बॉम्ब्स का पेमेंट करना भी बाकी है। बहूहूहूsss
लेकिन हमारा खुद गोले बारूद का कारोबार था।
इतनी बुरी स्थिति है हमारी... लानत है।
सत्यानाश हो गया हमारे सारे कारोबारों का। बरबाद हो चुके हैं हम। आमदनी अट्ठनी खर्चा रुपया। मुझे आपके जाने के बाद बॉसगिरी झाड़ने का कीड़ा न काटा होता तो कब का गैंग खत्म हो चुका होता हमारा। बूहूहू
क्या?
हां! चिंता न करो। गोले बारूद से लाद दूंगा मैं तुम्हें।
रो काहे रहे हो भाई। ऐसे छोटे-मोटे बम तो मैं छुट्टे ही फेंक दिया करता हूं।
पलीता न सुलगा देना बस।
चमचे को कह दो कि वो योजना बना ले। सारे विस्फोटक मिल जाएंगे उसे।

ये देखो।
ये कैसे धमाकेदार अंदाज में फटते हैं देखना है?
ना रहने दो। रहने दो। वैसे ही धमाकों के आवाज से पैन्ट गीली हो जाती है मेरी।
हाहाहा। इतने सारे गोले बारुद से मैं राजापुर के आसपास तो क्या, पूरे भारत को ही धमाकों से उड़ा दूं। वो भी बिना कानों में रुई लगाए। हीहाहाहा हाहाहा।
भारत तो क्या पूरे के पूरे ग्रह तक को तबाह करने वाले शस्त्र भी हैं स्वर्णनगरी में!
भद्रक! फरार शिल्पात्री कोई गड़बड़ तो नहीं कर देगी?
चिंता न करो मांबा! ऐसा कुछ नहीं होगा।
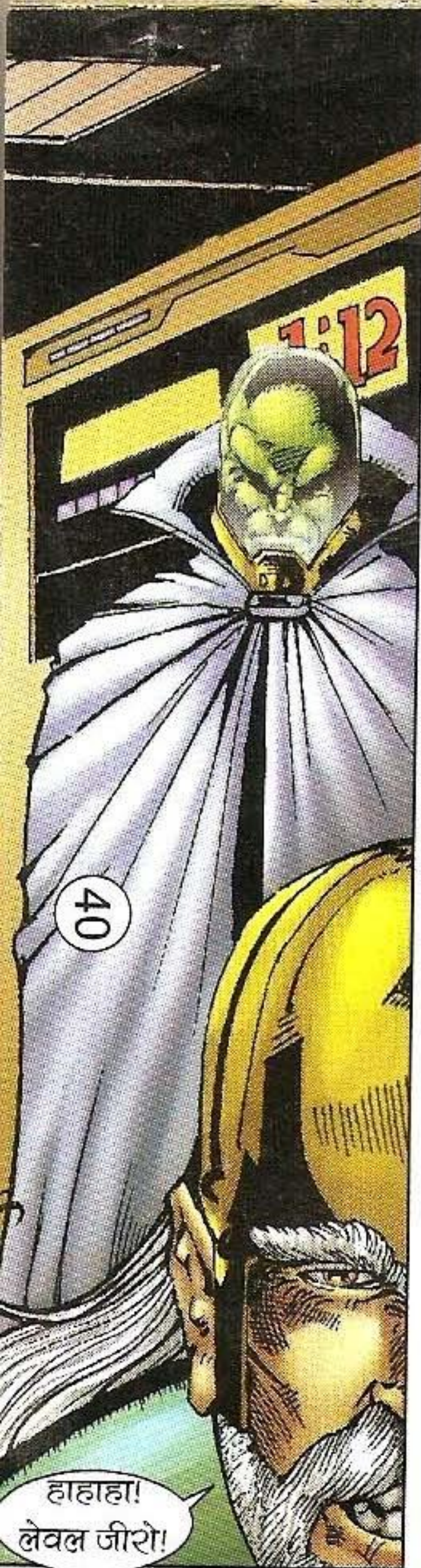
1:12
MUTATION
1.5
हाहाहा! लेवल जीरो!
मांबा! शुरु हो गया है लेवल जीरो।
लेवल जीरो?
लेवल जीरो! इसका क्या मतलब है?
हाहाहा! जल्द ही समझ जाओगे।
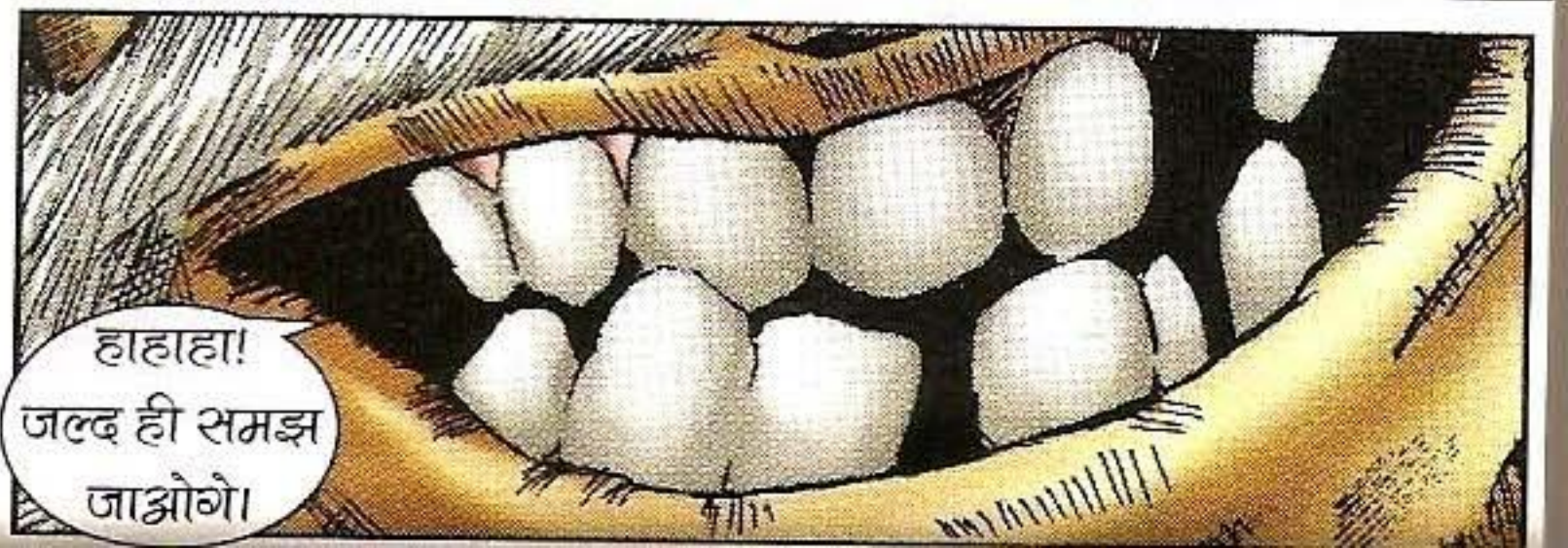
इधर टोड्स की इच्छा पूरी हो गई थी।
ये क्या?
आहऽऽऽऽ
कहीं ये हमारी मां तो नहीं?
हां! लगता है टोडदेव ने हमारी मां को भेज दिया है हमारे पास।
फिर इनकी शक्ल इंसानों जैसी क्यों है?
ये घायल क्यों है?

स्वर्ण नगरी पर कब्जा जमाए बैठे ग्रीन मांबा और भद्रक ने दुनिया पर किस तरह कहर बरपाया?

क्या हुआ स्वर्ण नगरी वासियों का और धनंजय का?

क्या नागराज और ध्रुव के साथ मिलकर टोडस बचा पाऐंगें स्वर्ण नगरी और दुनिया को? इन सारे सवालों का जवाब लेकर आ रहा है गहरी चाल का अगला भाग नागराज, ध्रुव और फाइटर टोड्स का थ्री इन वन विशषांक 'लेवल जीरो'!

मौत निश्चित है।
SUSHANT PANDA
GOVIND RAM
LEVEL
स्वर्णनगरी
सीरीज
लेवल जीरो
क्या नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव बचा पाएंगे फाइटर टोड्स को?